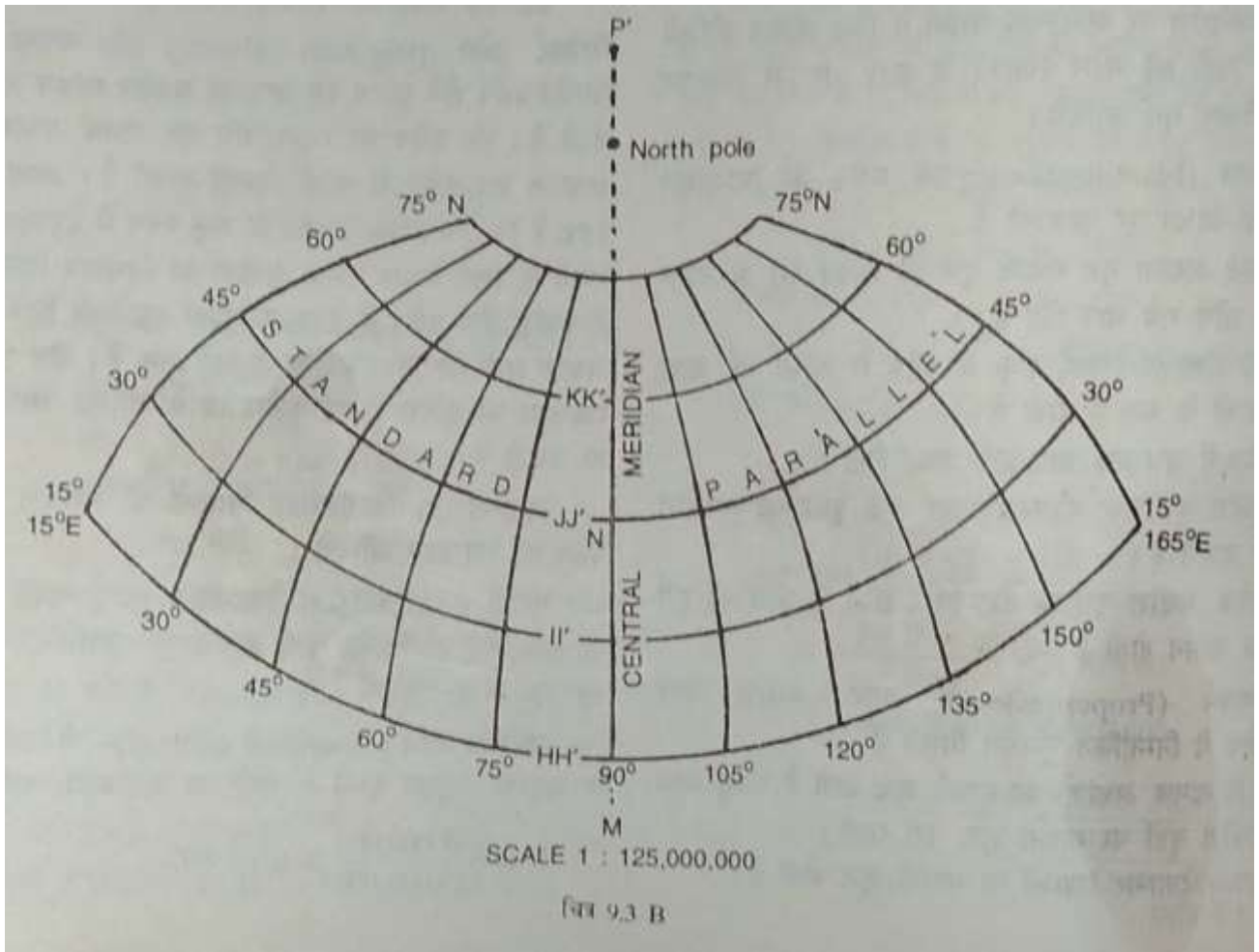


बोन प्रक्षेप

Bonne's Projection

*बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान*

यह एक संशोधित शंकव प्रक्षेप है जिसको सर्वप्रथम Rigobert Bonne ने बनाया था। समक्षेत्र प्रक्षेप होने के कारण इसे *बोन का समक्षेत्र शंकव प्रक्षेप* भी कहते हैं। इस प्रक्षेप की रचना विधि एक मानक अक्षांश वाले साधारण शंकु प्रक्षेप से काफी मिलती जुलती है। अंतर केवल इतना है कि एक मानक अक्षांश के शंकु प्रक्षेप में देशांतर रेखाएं बनाने के लिए केवल एक मानक अक्षांश का विभाजन किया जाता है जबकि बोन प्रक्षेप में देशांतर रेखाएं बनाने के लिए समस्त अक्षांश वृत्त को विभाजित करना आवश्यक है। बोन प्रक्षेप के रेखाजाल की तुलना सैन्सन फ्लैमस्टीड के समक्षेत्र प्रक्षेप से की जाती है।



चित्र: बोन प्रक्षेप

स्रोत: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा

पहचान (Identification)

बोन प्रक्षेप को उसके निम्नांकित लक्षणों से पहचाना जा सकता है:

1. समस्त अक्षांश वृत्त शंकु के शीर्ष को केंद्र मानकर खींचे गए संकेंद्र वृत्तों के चाप हैं तथा इनके बीच की दूरी समान होती है ।
2. केंद्रीय मध्यान रेखा सरल होती है तथा शेष सभी देशांतर रेखाओं की आकृति वक्राकार होती है ।
3. समस्त अक्षांश वृत्त केंद्रीय मध्यान रेखा को समकोण पर काटते हैं परंतु केंद्रीय मध्यान रेखा से पूर्व अथवा पश्चिम की ओर को दूरी बढ़ने के साथ-साथ अक्षांश वृत्त तथा देशांतर रेखाओं के प्रतिच्छेदन अधिकाधिक तिरछे होने लगते हैं ।
4. चूँकि बोन प्रक्षेप में समस्त अक्षांश वृत्त की लंबाई शुद्ध होती है, अतः एक मानक अक्षांश अथवा दो मानक अक्षांश वाले शंकु प्रक्षेपों के विपरीत इस प्रक्षेप में ध्रुव एक बिंदु के द्वारा प्रदर्शित होता है ।
5. अलग-अलग अक्षांश वृत्तों पर देशांतर रेखाओं के बीच की दूरी समान होती है ।

गुणधर्म (Properties)

इस प्रक्षेप में निम्नांकित गुणधर्म होते हैं:

1. समस्त अक्षांश वृत्तों तथा केंद्रीय मध्यान रेखा पर मापनी शुद्ध होती है ।
2. केंद्रीय मध्यान रेखा से दूरी बढ़ने के साथ-साथ देशांतर रेखाओं की मापनी भी बढ़ती जाती है जिसके फलस्वरूप किनारों के समीप स्थित क्षेत्रों की आकृति बहुत विकृत हो जाती है ।
3. चूँकि अक्षांश वृत्त पर मापनी शुद्ध होती है तथा प्रत्येक अक्षांश वृत्त अपने समीपवर्ती अक्षांश वृत्तों से शुद्ध दूरी पर होता है, अतः इस प्रक्षेप में समक्षेत्रफल का गुण बना रहता है ।
4. इस प्रक्षेप में अधिक से अधिक एक गोलाद्ध को दिखाया जा सकता है ।

उपयोग (Use)

मानचित्रावलियों में यूरोप, एशिया, उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया तथा अन्य बड़े-बड़े क्षेत्रों के मानचित्र बनाने के लिए बोन प्रक्षेप का काफी प्रयोग किया जाता है परंतु कम देशांतरीय विस्तार वाले क्षेत्रों को प्रदर्शित करने के लिए यह प्रक्षेप विशेष रूप से उपयोगी है । जैसे यदि केंद्रीय मध्यान रेखा 70° पश्चिम हो तो बोन प्रक्षेप पर चिली का एक आदर्श मानचित्र बन सकता है । इसका कारण यह है कि बोन प्रक्षेप में केंद्रीय मध्याह्न के समीप क्षेत्रफल के साथ-साथ आकृति भी काफी सीमा तक शुद्ध रहती है । केंद्रीय मध्याह्न रेखा से दूर स्थित भागों की आकृति में विकृति बढ़ने के बावजूद मध्य अक्षांशों के वितरण एवं सांख्यिकीय मानचित्र के लिए इस प्रक्षेप का काफी प्रयोग होता है । इसके अतिरिक्त फ्रांस, स्विट्जरलैंड तथा बेल्जियम आदि देशों में इस प्रक्षेप पर स्थलाकृतिक मानचित्र भी बनाए जाते हैं ।